भारत सरकार

रेल मंत्रालय

लोक सभा

01.04.2026 के

अतारांकित प्रश्न सं. 6133 का उत्तर

एबीएसएस के अंतर्गत आवंटित/जारी/उपयोग की गई निधि

6133. डॉ. शर्मिला सरकार:

श्री कालिपद सरेन खेरवाल:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) अमृत भारत योजना के अंतर्गत पुनर्विकास के लिए चिह्नित स्टेशनों की संख्या का राज्यवार/संघ राज्यक्षेत्रवार तथा स्टेशनवार ब्यौरा क्या है;

(ख) कुल चिह्नित स्टेशनों में से 1 मार्च 2026 तक विकास कार्य पूर्ण किए गए स्टेशनों का राज्यवार/संघ राज्यक्षेत्रवार तथा स्टेशनवार ब्यौरा क्या है; और

(ग) उक्त योजना के प्रारंभ से अब तक आवंटित की गई, जारी की गई और उपयोग की गई निधि का वर्षवार एवं स्टेशनवार ब्यौरा क्या है?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (ग) रेल मंत्रालय ने दीर्घकालिक दृष्टिकोण के साथ रेलवे स्टेशनों के पुनर्विकास हेतु अमृत भारत स्टेशन योजना शुरू की है।

इस योजना में रेलवे स्टेशनों को बेहतर बनाने के लिए मास्टर प्लान तैयार करना और चरणबद्ध रूप में उनका कार्यान्वयन करना शामिल हैं। मास्टर प्लान बनाने में निम्नलिखित शामिल हैं:

- **रेलवे स्टेशन और परिचलन क्षेत्रों तक पहुँच में सुधार**
- **रेलवे स्टेशन का शहर के दोनों भागों के साथ एकीकरण**

- स्टेशन भवन में सुधार
- प्रतीक्षालय, शौचालय, बैठने की व्यवस्था, पेयजल बूथों में सुधार
- यात्री यातायात के अनुरूप चौड़े ऊपरी पैदल पुल/एयर कॉन्कोर्स का प्रावधान
- लिफ्ट/एस्केलेटर/रैम्प का प्रावधान
- प्लेटफ़ॉर्म की सतह में सुधार/प्रावधान और प्लेटफ़ॉर्म पर कवर का प्रावधान
- 'एक स्टेशन एक उत्पाद' जैसी योजनाओं के माध्यम से स्थानीय उत्पादों के लिए कियोस्क का प्रावधान
- पार्किंग क्षेत्र, मल्टीमोडाल एकीकरण
- दिव्यांगजनों के लिए सुविधाएँ
- बेहतर यात्री सूचना प्रणाली
- प्रत्येक रेलवे स्टेशन पर आवश्यकता को देखते हुए एक्ज़ीक्यूटिव लाउंज, व्यावसायिक बैठकों के लिए निर्दिष्ट स्थान, भूसुदर्शनीकरण आदि की व्यवस्था।

इस योजना में दीर्घकालिक और पर्यावरण अनुकूल समाधानों; आवश्यकता, चरणबद्धता एवं व्यवहार्यता के लिए गिट्टी रहित पटरियों की व्यवस्था आदि और दीर्घावधि में रेलवे स्टेशन पर सिटी सेन्टरों के निर्माण की संकल्पना भी की गई है।

अब तक भारतीय रेल में इस योजना के तहत विकास के लिए 1338 स्टेशनों की पहचान की गई है। अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत रेलवे स्टेशनों पर विकास कार्य तीव्र गति से शुरू किए गए हैं। अब तक 208 स्टेशनों पर कार्य पूरे हो चुके हैं। अब तक पूरे हो चुके स्टेशनों के नाम निम्नानुसार है:

ऐशबाग जंक्शन, अलनावर, अंब अंदौरा, अंबिकापुर, आमगांव, आनंदपुर साहिब, अनारा, अंगमाली फॉर कलाडी, अयोध्या धाम जंक्शन, बादामी, बागलकोट, बहेरी, बैजनाथ पपरोला, बालाघाट, बलरामपुर, बंतावाला, बाराभूम, बारामती, बरेली सिटी, बारीपदा, बाड़मेर, बरपाली, बेगमपेट, ब्योहारी,

भानुप्रतापपुर, भिलाई, भिंड, बिजनौर, बिमलगढ़, बोम्मिडी, बूंदी, बायकुला, चालकुडी, चंपा, चंदा फोर्ट, चंगनास्सेरी, चेन्नई पार्क, छिंदवाड़ा, चिदंबरम, चिंचपोकली, चिन्ना सेलम, चिरायिंकीझ, चुनार जंक्शन, कुन्नूर, कुंबुम, कटक, डाकोर, दौसा, डीग, डेरोल, देशनोक, देवलाली, धामपुर, धारवाड़, धुले, डोंगरगढ़, एलुरु, फतेहाबाद, फतेहपुर, फतेहपुर शेखावाटी, फेरोक, गडग, गंगापुर सिटी, गोड्डा, गोधरा जंक्शन, गोगामेरी, गोकक रोड, गोला गोकर्णनाथ, गोमतीनगर, गोवर्धन, गोविंद गढ़, गोविंदपुर रोड, गोविंदपुरी, हाफिजपेटा, हैबरगांव, हल्दिया, हल्दीबाड़ी, हापा, हरपालपुर, हाथरस सिटी, हाई-टेक सिटी, हिमायतनगर, होडल, ईदगाह आगरा जंक्शन, इज्जतनगर, जैसलमेर, जाम जोधपुर, जाम वनथली, जॉयचंदी पहाड़ जंक्शन, जुन्नोर देव, काकीनाडा टाउन जंक्शन, कल्याणी घोषपारा, कामाख्यागुड़ी, कनालुस जंक्शन, कराईकुडी जंक्शन, करमसद, करीमनगर, कटनी दक्षिण, केडगांव, केसिंगा, खैरथल, खलीलाबाद, खंभालिया, कोप्पल, कोसंबा जंक्शन, कुलितुरई, कुट्टिपुरम, लासलगांव, लिम्बडी, लोहरदगा, लोनांद जंक्शन, मधुपुर जंक्शन, माहे, महुवा, मैलानी जंक्शन, माम्बलम, मनापराई, मंडल गढ़, मंडावर महवा रोड, मंडी डबवाली, मंगलागिरी, मन्नारगुडी, माटुंगा, एमसीएस छतरपुर, मीठापुर, मोरप्पुर, मोरबी, मुक्तसर, मुनिराबाद, मुरी जंक्शन, मुर्तिजापुर जंक्शन, नैनपुर जंक्शन, नमक्कल, नंदुरा, नर्मदापुरम, नरवाना जंक्शन, नेताजी सुभाष चंद्र बोस इतवारी जंक्शन, निदादावोलू जंक्शन, नीलांबुर रोड, ओखा, ओरछा, पालीताना, पानागढ़, पनकी धाम, परप्पनंगडी, परेल, परलाखेमुंडी, पीरपैंती, पिस्का, पुखरायां, पोलाची जंक्शन, पोलूर, पोरबंदर, राजगढ़, राजमहल, राजुला जंक्शन, रामागुंडम, रामघाट हाल्ट, रायनपाडु, सबौर, सहारनपुर जंक्शन, साहिबगंज, साहिबजादा अजीत सिंह नगर मोहाली, समखियाली, समलपट्टी, सांची, शंकरपुर, सरोना, सावदा सिवनी, शहाद, शाजापुर, शिवनारायणपुर, शोलावंदन, शोरानूर जंक्शन, श्रीधाम, सिद्धार्थ नगर, सीहोर जंक्शन, सिमुलतला, सिउरी, सोमेसर, श्री बाला ब्रह्मेश्वर जोगुलम्बा, श्रीरंगम, श्रीविल्लिपुत्तूर, सेंट थॉमस माउंट, सुल्लुरपेटा, सुरैमंपुर, स्वामीनारायण छापिया, तालचेर, तामलुक, टनकपुर, थालास्सेरी, थावे, थिरुवरूर जंक्शन, तिरुवन्नामलाई, त्रिपुनिथुरा, टूनी, उदगमंडलम, उझानी, उरकुरा, उतरन, वडकारा, वडाला रोड, विदिशा, विंध्याचल, वृद्धाचलम जंक्शन, वडकांचेरी, वारंगल।

अन्य स्टेशनों पर विकास की गतिविधियां भी तीव्र गति से शुरू की गई हैं और उपरोक्त कुछ स्टेशनों की प्रगति नीचे दी गई है:

- तिरुपति स्टेशन: दक्षिणी तरफ नए द्वितीय प्रवेश स्टेशन भवन का अवसंरचनात्मक फ्रेमवर्क, 2 अदद एअर कॉनकोर्स और सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट का कार्य पूरा हो गया है। दक्षिणी तरफ नए द्वितीय प्रवेश स्टेशन भवन और एअर कॉनकोर्सों, उत्तरी तरफ स्टेशन भवन का अवसंरचनात्मक कार्य, प्लेटफार्म शेल्टर, लिफ्ट, स्वचालित सीढ़ियों आदि का कार्य शुरू किया गया है।

- नेल्लूर स्टेशन: अवसंरचनात्मक फ्रेमवर्क, पूर्वी और पश्चिमी दोनों तरफ स्टेशन भवन पर ईंटों का कार्य और प्लस्तर पूरा हो गया है। पूर्वी और पश्चिमी दोनों तरफ स्टेशन भवन और एअर कॉनकोर्स का फिनिशिंग कार्य, सबवे का विस्तार कार्य, पार्किंग, वाटर टैंक और सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट का कार्य शुरू किया गया है।

- बेंगलुरू कैंटोनमेंट जंक्शन: दक्षिणी तरफ डाइवर्जन सड़क, प्रशिक्षण केंद्र, उत्तरी तरफ हॉस्टल, विद्युत उप स्टेशन भवन का कार्य पूरा हो गया है। दक्षिणी तरफ स्टेशन भवन, उत्तरी तरफ स्टेशन भवन, परिचलन क्षेत्र और पैदल पार पुल का कार्य शुरू किया गया है।

- कोटा जंक्शन स्टेशन: सामने की ओर प्रस्थान कक्ष, सामने की ओर आगमन कक्ष और पीछे की तरफ स्टेशन भवन का संरचनात्मक कार्य पूरा हो गया है। सामने की ओर प्रस्थान कक्ष, पीछे की तरफ स्टेशन भवन, एअर कॉनकोर्स, थ्रूरूफ, परिचलन क्षेत्र का फिनिशिंग कार्य शुरू किया गया है।

- भुवनेश्वर स्टेशन: पूर्वी और पश्चिमी छोर पर नए स्टेशन भवन का अवसंरचनात्मक कार्य और एअर कॉनकोर्स का कार्य पूरा हो गय है। पूर्वी और पश्चिमी छोर स्टेशन पर एलीवेटिड ड्राइववे, पैदल पार पुल और प्लेटफार्म शेल्टर का कार्य शुरू किया गया है। पूर्वी और पश्चिमी छोर पर नए स्टेशन भवन, एमईपी कार्य (यांत्रिक, इलेक्ट्रिकल और प्लंबिंग),

एचवीएसी (हीटिंग, वेंटीलेशन और वातानुकूलन) और स्वचालित सीढ़ियों का फिनिशिंग कार्य शुरू किया गया है।

इसके अलावा, भारतीय रेल में स्टेशनों का पुनर्विकास/उन्नयन/आधुनिकीकरण एक निरंतर चलने वाली सतत प्रक्रिया है तथा इस संबंध में कार्य परस्पर प्राथमिकता और निधियों की उपलब्धता के अध्यधीन, आवश्यकतानुसार किए जाते हैं। किसी स्टेशन का विकास/पुनर्विकास/उन्नयन/आधुनिकीकरण कार्य स्टेशन की श्रेणी/स्थिति/यातायात प्रबंधन आदि के आधार पर किया जाता है।

रेलवे स्टेशनों का विकास/उन्नयन जटिल प्रकृति का होता है, जिसमें यात्रियों और रेलगाड़ियों की संरक्षा शामिल होती है और इसके लिए दमकल क्लीयरेंस, धरोहर, पेड़ों की कटाई, विमानपत्तन क्लीयरेंस इत्यादि जैसी विभिन्न सांविधिक स्वीकृतियों की आवश्यकता होती है। इनकी प्रगति जनोपयोगी सेवाओं को स्थानांतरित करना (जिनमें जल/सीवेज लाइन, ऑप्टिकल फाइबर केबल, गैस पाइप लाइन, पावर/सिगनल केबल इत्यादि शामिल हैं), अतिलंघन, यात्री संचलन को बाधित किए बिना रेलगाड़ियों का परिचालन, रेलपथ व उच्च वोल्टेज बिजली लाइनों के नजदीक किए जाने वाले कार्यों के कारण गति प्रतिबंध आदि जैसी ब्राउन फील्ड संबंधी चुनौतियों के कारण भी प्रभावित होती है और ये कारक कार्य के समापन समय को प्रभावित करते हैं।

अमृत भारत स्टेशन योजना सहित रेलवे स्टेशनों का विकास/उन्नयन/आधुनिकीकरण का वित्तपोषण सामान्यतः योजना शीर्ष-53 'ग्राहक सुविधाएँ' के अंतर्गत किया जाता है। योजना शीर्ष-53 के अंतर्गत आवंटन और व्यय का विवरण क्षेत्रीय रेल-वार रखा जाता है न कि कार्य-वार, स्टेशन-वार अथवा राज्य-वार। योजना शीर्ष-53 के तहत वित्त-वर्ष 2025-26 के लिए 12,120 करोड़ रुपए (संशोधित अनुमान) आवंटित किए गए थे और अब तक (फरवरी, 2026 तक) 11,892 करोड़ रुपए का व्यय उपगत किया जा चुका है।

****